व्यापारिक कम्पनियों के मध्य संघर्ष

प्रथम कर्नाटक युद्ध → 1746 - 48
द्वितीय कर्नाटक युद्ध → 1749 - 54
तृतीय कर्नाटक युद्ध → 1758 - 63.

→ प्रथम कर्नाटक युद्ध किस युद्ध से प्रभावित था - आस्ट्रिया के उत्तराधिकार युद्ध
→ डुप्ले ने किसकी सहायता से मद्रास को जीता → मारिशस के गवर्नर ला बूर्डोने
→ प्रथम कर्नाटक युद्ध किसके बीच लड़ा गया → फ्रांसीसी सेना एवं कर्नाटक के नवाब अनवरुद्दीन
→ प्रथम कर्नाटक युद्ध का अन्य नाम - सेन्ट टोमे का युद्ध
→ प्रथम कर्नाटक युद्ध किस संधि द्वारा समाप्त हुआ → ए-ला शापल की संधि
→ प्रथम कर्नाटक युद्ध में विजयी रहे → फ्रांसीसी.

→ द्वितीय कर्नाटक युद्ध क्यों प्रारंभ हुआ → हैदराबाद एवं कर्नाटक के उत्तराधिकार के प्रश्न पर
→ द्वितीय कर्नाटक युद्ध में फ्रांसीसीयो ने किसकी सहायता की - दक्कन के सूबेदारी हेतु मुजफ्फरजंग को एवं कर्नाटक के उत्तराधिकारी हेतु चन्दा साहिब
→ द्वितीय कर्नाटक युद्ध में अंग्रेजो ने किसकी सहायता की → नासिरजंग को दक्कन हेतु एवं अनवरुद्दीन को कर्नाटक हेतु
→ द्वितीय कर्नाटक युद्ध में किसकी विजयी हुई → राबर्ट क्लाइव की ब्रिटिश कंपनी सेना
→ द्वितीय कर्नाटक युद्ध में हार हुई - डुप्ले की (फ्रांसीसीयो की)
→ पांडिचेरी की संधि हुई - 1755
→ डुप्ले के बाद फ्रांसीसी ईस्ट इंडिया कंपनी का गवर्नर जनरल बना - गोडेहू

तृतीय कर्नाटक युद्ध किस युद्ध का एक अंग था - सप्तवर्षीय युद्ध का
1757 में फ्रांस ने किसे भारत में अंग्रेजो के खिलाफ लड़ने हेतु भेजा - काउंट डी लाली
वांडीवाश का युद्ध हुआ - 1760, आयरकूट की जीत और लाली की बुरी हार
तृतीय कर्नाटक युद्ध का अंत हुआ - पैरिस की संधि 1763 से

Date :

→ अंग्रेजो ने बंगाल में अपनी पहली कोठी कब खोली 1651 ई० हुगली बंगाल के सूबेदार शाहशुजा की अनुमति से

→ 1698 ई० में किसने सुतानती, कालीघाट एवं गोविन्दपुर (संयुक्त रूप से कलकत्ता) गांवो की जमींदारी अंग्रेजो को सौंप दी → सूबेदार अजीमुशान ने
→ मुर्शिदकुली खां बंगाल का स्वतंत्र शासक बना 1717
→ अलीवर्दी खां बंगाल का नवाब बना 1740 ई में गिरिया के युद्ध में बंगाल के नवाब सुजाउद्दीन को हरा कर, बादमें मुहम्मदशाह को 2 करोड़ नजराना दिया।
→ किसने यूरोपियो की तुलना मधुमक्खियो से की अलीवर्दी खां ने
→ अलीवर्दी खां किसका पौत्र था अलीवर्दी खां - 1756
→ सिराजुद्दौला के दरबार में षडयंत्र का मुख्य केन्द्र थे - उसकी मौसी घसीटी बेगम सिराज की मौसी का लडका शौकत जंग तथा अलीवर्दी खां का बहनोई एवं सेनापति मीर जाफर
→ ब्लैक होल की घटना कब हुई - 20 जून 1756, (146 में से 23 बचे)
→ ब्लैक होल की घटना का वर्णन किया - हालवेल ने
→ अलीनगर की संधि हुई - क्लाइव व सिराज के बीच 9 फरवरी 1757.
→ प्लासी का युद्ध हुआ → 23 जून 1757 को भागीरथी नदी के किनारे प्लासीगांव
→ प्लासी के युद्ध में सिराज का साथ दिया - मीर मदान और मोहनलाल
→ किसने कहा "यह एक सौदा था जिसमें बंगाल के धनी सेठों तथा मीर जाफर ने नवाब को अंग्रेजो के हाथों बेच दिया - के० एम० पणिक्कर
→ किसे मीर अ रॉबर्ट क्लाइव का गीदड़ कहा गया - मीर जाफर को
→ मीर जाफर ने क्लाइव को दिये - 24 परगनो की जमींदारी, क्लाइव को 2,34,000 पाउंड तथा अंग्रेजी सेना को 150 लाख रुपये,
→ मीर जाफर के बाद नवाब बना - मीर कासिम (उसका दमाद) 1760
→ क्रांतिपूर्ण क्रांति का वर्ष कहा जाता है - 1760 को
→ मीर कासिम ने अपनी राजधानी बनाई → मुंगेर
→ मीर कासिम ने अपनी सेना का प्रशिक्षक किसे नियुक्त किया - गुर्गिन खां को
राजनारायण कौन था - बिहार का सुबेदार जिसकी हत्या मीर कासिम ने की
करवा का युद्ध - 9 जुलाई 1763
गिरिया का युद्ध - 4-5 सितम्बर 1762
उधौनला का युद्ध 1763.

→ बक्सर का युद्ध हुआ 22 अक्टूबर 1764
→ बक्सर के युद्ध में नवाब के साथ थे मुगल बादशाह शाह आलम एवं अवध का नवाब शुजाउद्दौला
→ बक्सर युद्ध में अंग्रेजी सेना का नेतृत्व किया - कैप्टन मुनरो
→ मीर कासिम की मृत्यु हुई - 1777 ई० में अज्ञातवास में
→ किसने कहा "प्लासी की अपेक्षा बक्सर को भारत में अंग्रेजी प्रभुता की जन्मभूमि मानना कहीं अधिक उपयुक्त है।" - P. E. Roberson.
→ मीर कासिम के बाद नवाब बना मीर जाफर और उसके बाद नजमुद्दौला
→ बंगाल का अंतिम नवाब - मुबारकुद्दौला

→ क्लाइव बंगाल का गवर्नर रहा 1757 से 1760 तक - 1765 - 1767 तक
→ इलाहाबाद की संधि I हुई मुगल बादशाह शाहआलम एवं क्लाइव के बीच
→ इलाहाबाद संधि से मुगल बादशाह को मिला - इलाहाबाद एवं कड़ा जीले की अधि
→ इलाहाबाद की दूसरी संधि हुई - क्लाइव और अवध के नवाब शुजाउद्दौला के बी
→ बंगाल में द्वैध शासन लागू हुआ 1765 से 1772 तक, क्लाइव द्वारा
→ द्वैध शासन अंतर्गत बंगाल तथा बिहार की दीवानी सौंपी गई - रजा खां एवं सिताबराय
→ द्वैध शासन को समाप्त किया - वारेन हेस्टिंग्स ने
→ नियुक्ति के समय क्लाइव कंपनी में था क्लर्क
→ बंगाल में भयंकर अकाल पड़ा 1770 ई० में
→ द्वैध शासन अन्तर्गत कंपनी को देने थे - मुगल सम्राट को 26 लाख और बंगाल नवाब को 53 लाख
→ क्लाइव ने आत्महत्या की - 1774 ई० में